सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

अप्रैल, 2018

अंक योजना – हिन्दी (ऐच्छिक) कोड संख्या 29/1, 29/2, 29/3

विशेष निर्देश : माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक योजना पर भली–भाँति विचार–विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
6. यदि परीक्षार्थी ने किसी, किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जहाँ उत्तर अधिक अच्छा लिखा गया है तो उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें।
7. प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिंदुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिंदुओं को काट दें।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि पर बार–बार अंक न काटें।
9. निर्धारित शब्द सीमा से विचलन पर अंक न काटे जाएँ।
10. प्रायः यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 प्रतिशत अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं , या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट लेते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर–बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक भी दिए जा सकते हैं।
11. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस पर गलत (X) चिह्नित कर (0) अंक दिए जाएँ।

www.careerindia.com

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
अप्रैल, 2018
अंक योजना–हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1
29/2
29/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
				खंड–क	
1.	1. क	2. क	1. क	• जीभ के साथ महत्वपूर्ण स्थिति दो गालों के बीच • चेहरे की शोभा दाँतों के कारण ही (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	1+1=2
	ख	ख	ख	• उपमा– हीरा मोती व माणिक से • सौंदर्य, बनावट, चमक, सफेदी, आभा, क्रमबद्धता और महत्वपूर्ण भूमिका के कारण	1+1=2
	ग	ग	ग	• भोज्य–पदार्थों को चबा–चबाकर रस तत्व प्राप्त होना • दाँत न होने पर मुँह पोपला , भोज्य–पदार्थों के स्वाद व रस का आनंद न ले पाना	1+1=2

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	घ	घ	घ	• दाँतों की प्रतिष्ठा तभी तक जब तक मुख में हैं • मुख से बाहर होने पर घृणित, बेकार, घिनौनी हड्डी मात्र हैं	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• शरीर के निष्क्रिय होने पर, सिर के बाल पकने पर, दाँतों के बिना मुँह पोपला होने पर व्यक्ति की अवहेलना व अनादर	1+1=2
	च	च	च	• गाल और व ओंठ परदा इसलिए कि वे दाँतों को ढँककर सुरक्षित रखते हैं • परदा रहने से मर्यादित व अनुशासित रहने की शिक्षा	1+1=2
	छ	छ	छ	• दाँतों की तरह जो व्यक्ति देश के काम नहीं आया, उसका जीवन व्यर्थ • संस्कृति, धर्म, जाति की उपेक्षा करने वालों के साथ बेगाना व्यवहार करना चाहिए	1+1=2
	ज	ज	ज	(उचित शीर्षक पर अंक दिए जाएँ)	1

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
2	2	1	2		
	क	क	क	देशभक्ति व देश प्रेम की भावना के कारण	1
	ख	ख	ख	• बलिदान देने पर उसे स्वीकारने का आग्रह करना	1
	ग	ग	ग	• अपने कर्म करते हुए देश पर मर–मिटना • मन से देश की प्रकृति, देशवासियों व पशु –पक्षियों के सुख–दुख में साथ होना	½+½=1
	घ	घ	घ	• अपने घर, परिवार, गाँव, समाज, देश व देश की धरती से • सबसे मोह तोड़कर देश के लिए न्यौछावर होने की भावना के कारण	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	चमन– संसार नीड़ – घर	½+½=1

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
3.	3.	4.	3.	**खंड–ख** **किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय वस्तु 6 • भाषा 2	10
4.	4.	3.	4.	**पत्र – लेखन** • आंरभ और अंत की औपचारिकताएँ1 • विषय वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5. क	6 क	5 ख	• इस शैली में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे पहले फिर विस्तार और अंत में समापन होता है	1
	ख	ख	ग	• किसी विषय की गहराई से छानबीन करके तथ्यों व सूचनाओं को सार्वजनिक रूप से सामने लाना	1
	ग	ग	घ	• क्या, कौन, कब ,कहाँ, क्यों और कैसे	1

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1	29/2	29/3		
	घ	घ	ड.	• संपादकीय नीति को तय करना • समाचारों की अशुद्धियों को दूर करना • संपादकीय डेस्क के कार्यों का बँटवारा और निरीक्षण करना • समाचार संगठन में द्वारपाल की भूमिका निभाना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1
	ङ	ड.	क	• किसी महत्वपूर्ण लेखक द्वारा किसी पत्रिका या समाचार–पत्र के लिए नियमित रूप से किए जाने वाला विचारपरक लेखन।	1
6	6	5	6	**आलेख लेखन** • विषय वस्तु – 2 • प्रस्तुति – 2 • भाषा – 1	5
				खंड–ग	
7	7	7	7	काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या– कवि व कविता का नामोल्लेख ½+½=1 • प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 5 • विशेष 1 मुझ भाग्यहीन ..... तेरा तर्पण। • कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता – सरोज–स्मृति	8

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				प्रसंग – पुत्री की मृत्यु पर शोकाकुल पिता (कवि) का अपने रचनाकर्म के द्वारा उसे श्रद्धांजलि देना **व्याख्या बिंदु –** • प्रियजनों के क्रमशः बिछुड़ने से कवि अपने को भाग्यहीन और पुत्री को सहारा मानता है • पुत्री की मृत्यु के दो वर्ष बाद कवि की व्याकुलता कविता बन कर प्रकट हो रही है • दुखों से भरे जीवन की कथा कहने में रुचि नहीं • रचनाकार के धर्म पर टिके रहने वाले कवि पर अनेक विपत्तियाँ आईं लेकिन वह उसी पथ पर चलना स्वीकार करता है • कवि अपने समस्त कर्मों के फल को श्रेष्ठ मानकर उन्हें अपनी पुत्री की मुक्ति के लिए अर्पित करता है **विशेष :–** • एक पिता की वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति • तर्पण : दिवंगत की तृप्ति के लिए किया जाने वाला विशेष कर्म • भाषा : तत्सम प्रधान, संगीतात्मकता • अलंकार–उपमा (शीत के से शतदल) • रस – करुण • मुक्त छंद	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
8	8 क	10 क	9 क	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** • प्रकृति के परिवर्तनों के प्रति मनुष्य की उदासीनता • मनुष्य भौतिक साधनों को जुटाने की भाग–दौड़ में व्यस्त है, प्रकृति की उपेक्षा कर रहा है • बुद्धिजीवी ज्यादा, संवेदनशील कम • वसंत के आगमन की सूचना दफ्तर व कैलेंडर से मिलना • मनुष्य और प्रकृति के बीच दूरी बढ़ना	3
	ख	ख	ख	• 'दीप अकेला' व्यक्तिगत सत्ता का प्रतीक है • व्यक्ति में अनेक गुण–ऊपर उठने की शक्ति, व्यक्तिगत पहचान, महिमा का समष्टि (समाज) में विलय कर दें तो उसका व समाज दोनों का उत्थान होगा, उसमें आत्मविश्वास आएगा • यह विलय सहज हो सकता है क्योंकि मनुष्य समाज का ही अंग है	3
	ग	ग	ग	• उदात्त चित्त, क्षमाशील, शांत स्वभाव, अपराधी पर भी क्रोध नहीं करना • भरत के प्रति विशेष स्नेह • हारने पर भी भरत को खेल में जिताना	3

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
9	9	8	10	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य सौन्दर्य** भाव सौंदर्य – 1 शिल्प सौंदर्य – 2	
	क	क	क	**भाव सौंदर्य –** सोने का घड़ा लेकर उषा रूपी नायिका आकाश रूपी कुएँ से सुखों को भरकर भारत की धरती पर उड़ेल देती है जब रात भर जाग कर पहरेदार तारा–गण नींद में ऊँघते रहते हैं **शिल्प सौंदर्य** • भाषा– खड़ी बोली, तत्सम शब्दावली • अलंकार –उषा का मानवीकरण, हेम कुंभ में रूपक • प्रभावशाली दृश्य बिंब • छायावादी कविता प्रगीत	3
	ख	ख	ख	**भाव सौंदर्य –** • नागमती (नायिका) की वियोग दशा का मार्मिक वर्णन • विरह की चरम–स्थिति में भी पति को संदेश भेजने की इच्छा • भौंरे और कौवे के काले होने के कारण नायिका के विरह में जलने से उठने वाला धुआँ है	3

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	ग	ग	ग	**शिल्प सौंदर्य–** • भाषा – अवधी • अलंकार– अतिशयोक्ति • रस – वियोग शृंगार • छंद – दोहा **भाव सौंदर्य :–** • बनारस शहर की प्राचीनता और आधुनिकता के द्वंद्व का चित्रण • शहर की स्थिति ऐसी है कि वह गंगा के बीच में खड़ा दिखाई देता है • नए परिवर्तनों से बेखबर यह शहर अपनी प्राचीनता को बचाए हुए है • शताब्दियों से संस्कृति रूपी सूर्य को अर्ध्य देकर तपस्या करते योगी के रूप में बनारस का अंकन **शिल्प सौंदर्य :–** • खड़ी बोली • भाषा – तत्सम, तद्भव और आगत शब्दों का सुंदर प्रयोग • प्रभावशाली दृश्य बिंब • एक टाँग प्राचीनता की और दूसरी टाँग आधुनिकता का प्रतीक • मुक्त छंद • शहर का मानवीकरण	3

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
10	10	9	8	**गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या** लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख ½+½=1 • प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 3 • विशेष 1 (नाम इसलिए————————चित्त गंगा में स्नात) • लेखक– हजारी प्रसाद द्विवेदी • पाठ – कुटज **प्रसंग** कुटज के माध्यम से लेखक 'नाम' के महत्व को स्पष्ट करता है **व्याख्या बिंदु** • किसी भी वस्तु का नाम रूप से बड़ा है • नाम समाज द्वारा मान्य व स्वीकृत है • नाम का उच्चारण करते ही उसके रूप और गुण का बोध तथा सामाजिक उपयोगिता का आभास • समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपनी स्वीकृति चाहता है • लेखक द्वारा कुटज के नाम की चर्चा के माध्यम से सामाजिक प्रक्रिया की जाँच–पड़ताल • सोशल सैंक्शन – समाज द्वारा अपनाए गए नियम जो समाज में स्वीकृति, अनुशासन और नियंत्रण का कार्य करते हैं	6

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
11	11 क	11 ख	11 ग	**विशेष :–** • संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली • अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग • वर्णनात्मक व व्यंजक शैली **–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** • बालक का लड्डू माँगना उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति को दर्शाता है • इसलिए वह सूखी लकड़ी की तरह बेजान और कर्कश नहीं है • उसमें जीवित पेड़ की तरह विकास की संभावना है • बच्चों को रटा कर शिक्षा देने से उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति नष्ट हो जाती है • बच्चों को पढ़ाई के बोझ से न दबा कर उनका स्वाभाविक और स्वतंत्र विकास होने देना चाहिए • बच्चों को प्रदर्शन की वस्तु नहीं बनाना चाहिए	**4+4=8** 2+2=4
	ख	ग	क	• कुशल संवादवाहक • ईमानदार व परिश्रमी • भावुक • विनोदी स्वभाव • अनपढ़ किंतु लोकाचार की गहरी पहचान • मानवीय और पारिवारिक संबंधों की समझ	4

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	ग	क	ख	• अपने गाँव के प्रति प्रेम व सम्मान की भावना। **(किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)** • प्रेम किसी भी स्थिति में हो सकता है • प्रेम होने पर युवा मन में तरह–तरह की भावनाएँ जन्म लेती हैं और एक नए तरह की अनुभूति होती है • कहानी का शीर्षक सर्वथा सार्थक है क्योंकि देवदास प्रेम का प्रतीक है • नायक का नाम संभव है, पर नायिका के द्वारा अपना नाम पारो बताने पर वह अपना नाम देवदास बताता है • दूसरा देवदास शीर्षक, संक्षिप्त, आकर्षक एवं कहानी के मूलभावों को व्यक्त करने वाला है	2+2=4
12	12	12	12	<u>**जीवन परिचय**</u> • संक्षिप्त जीवन परिचय – 2 • रचनाएँ – 1 • साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ – 3 **ब्रजमोहन व्यास –** **संक्षिप्त जीवन परिचय** • इनका जन्म इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में हुआ	6

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• इलाहाबाद नगरपालिका के कार्यपालक अधिकारी रहे • 'लीडर' समाचार पत्र समूह के जनरल मैनेजर रहे **रचनाएँ –** • जानकी हरण का अनुवाद • पं. बालकृष्ण भट्ट • महामना मदनमोहन मालवीय • मेरा कच्चा चिट्ठा **(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)** **<u>साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ</u>** • बोलचाल की भाषा • सहज, सरल देशज शब्दों का प्रयोग • चित्रात्मक–वर्णनात्मक शैली • मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग **अथवा** **असगर वजाहत** **संक्षिप्त जीवन परिचय** • इनका जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था • उनकी प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा • विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में लेखन • दिल्ली के जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य **रचनाएँ–** • दिल्ली पहुँचना है, स्वीमिंग पूल, सब कहाँ कुछ आदि कहानी संग्रह • फिरंगी लौट आए, इन्ना की आवाज, वीरगति आदि नाटक • रात में जागने वाले, पहर दोपहर तथा सात आसमान आदि उपन्यास **(केवल दो रचनाएँ अपेक्षित)** **<u>साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ</u>** – • भाषा में गंभीरता • सबल भाषाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता • मुहावरों एवं तद्भव शब्दों का प्रयोग • सहज, सरल भाषा • उर्दू शब्दों के प्रयोग से स्वाभाविकता और रवानगी।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**विष्णु खरे –** **संक्षिप्त जीवन परिचय** • जन्म छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश में	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				• क्रिश्चियन कॉलेज, इंदौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. • 'इंदौर समाचार' में उप संपादक • 'नवभारत टाइम्स' में प्रभारी कार्यकारी संपादक **रचनाएँ–** • टी.एस.–इलियट का अनुवाद–मरूप्रदेश और अन्य कविताएँ • एक गैर रुमानी समय में • खुद अपनी आँख से • सबकी आवाज के परदे में **(कोई दो रचनाएँ अपेक्षित)** **साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ** – • भाषा में तत्सम, तदभव और देशज शब्दों का प्रयोग • सहज, सरल भाषा • मुहावरों का सटीक प्रयोग • पौराणिक आख्यानों पर लेखन • सामाजिक विद्रूपताओं का विरोध • व्यंग्यात्मकता **अथवा**	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
				घनानंद – **संक्षिप्त जीवन परिचय** • जन्म स्थान और माता–पिता के नाम अज्ञात हैं • आरंभिक जीवन दिल्ली तथा वृंदावन में बीता • दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के दरबार में मीर मुंशी थे • दरबार की 'सुजान' नामक नर्तकी पर आसक्त थे • सुजान से प्रेम करने के कारण घनानंद दरबार में बे–अदबी कर बैठे, जिससे उन्हें देश निकाला मिला • सुजान से निराश होकर निंबार्क संप्रदाय में दीक्षित होकर जीवन निर्वाह **<u>रचनाएँ</u> –** • सुजान सागर, विरह लीला, सुजान हित, कृपाकंड निबंध, रसकेली वल्ली आदि **(केवल दो का उल्लेख अपेक्षित)** **<u>साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ</u> –** • परिष्कृत और साहित्यिक ब्रजभाषा • भाषा में व्यंजना, मधुरता तथा कोमलता • सर्जनात्मक काव्य भाषा • प्रेम की उदात्तता • लाक्षणिकता, वक्रोक्ति के साथ अलंकारों का कुशल प्रयोग	

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
13	13	13	13	**सूरदास के जीवन से प्राप्त जीवन–मूल्य** • हार न मानने की प्रवृत्ति • सत्य–अहिंसा से भरा व्यक्तित्व • प्रतिकार की भावना से दूर • क्षमाशील, सहिष्णु व आशावादी • पुनर्निमाण एवं जिजीविषा की भावना • संघर्षशील, आत्मविश्वासी • निर्णय लेने की पूर्ण क्षमता **(जीवन–मूल्यों के संदर्भ में विद्यार्थियों के अन्य तर्क एवं अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)**	5
14	14 क	14 ख	14 क	• 'बिस्कोहर की माटी' से बिसनाथ का लगाव • वहाँ की वनस्पतियाँ, प्राकृतिक परिवेश • ग्रामीण जीवन की विषमताओं के बीच भी आत्मीयता • संगीतमय वातावरण, वर्षा, मिट्टी की खुशबू आदि। • खेतों की सुंदरता, विभिन्न प्रकार के पेड़–पौधे, ताल, मैदान आदि **(अन्य उपयुक्त तर्क तथा उदाहरण भी स्वीकार्य)**	5+5=10

www.careerindia.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1	29 / 2	29 / 3		
	ख	क	ख	• जीवनयापन के लिए कठिनाइयों का सामना, जरूरत की चीजों को लाने में कठिनाई • प्राकृतिक आपदा, भूस्खलन, पहाड़ों के खिसकने से जीवन तथा समाज का प्रभावित होना • जीविका के साधन कम होना • पहाड़ों पर कृषि कार्य करना कठिन • कभी भीषण बर्फबारी तो कभी घनघोर वर्षा से जीवन प्रभावित **(विद्यार्थियों के अन्य तर्कसंगत विचार भी स्वीकार्य)**	

www.careerindia.com